(घ) पता लगाये गये नये तेल भंडारों से कितना तेल प्राप्त किया जाना है और यह कार्य कहां-कहां प्रारंभ हो गया है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार): (क) ओ एन जी सी देश में हाइड्रोकार्बनों के अन्वेषण और उत्पादन में रत है। आई ओ सी भी कुछ विदेशी कंपनियों और ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड के साथ सहयोग करते हुए नए अन्वेषण और उत्पादन व्यावसायिक कार्यों में लगा है।

(ख) तेल और गैस के नए भंडारों का पता लगाने के लिए 1995—98 के दौरान पश्चिमी और पूर्वी अपतट व असम, अरूणाचल प्रदेश, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा, बिहार, गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश राज्यों में भूकंपीय सर्वेक्षण और वेधन कार्यकलाप आरंभ कर दिए गए है।

(ग) और (घ) असम, गुजरात, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश और पश्चिमी अपतट में 1995—98 के दौरान 24 स्थानों पर तेल के नए भंडार पाए गए है। इन नई खोजों का अनुमानित भंडार (आरंभिक स्थानिक तेल) लगभग 43 एम एम टी है। कुछ नई खोजों का अभी भी मूल्यांकन किया जा रहा है।

कच्चे तेल के भंडारों का सर्वेक्षण

1206. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में कच्चे तेल के भंडार की कुल मात्रा की जानकारी प्राप्त करने के लिए कोई व्यापक सर्वेक्षण कराया गया है;

(ख) यदि हां, तो यह सर्वेक्षण कब कराया गया था और उक्त सर्वेक्षण के अनुसार देश में पेट्रोलियम का कुल कितना भंडार होने का अनुमान है;

(ग) क्या सरकार ने इन भंडारों का भरपूर दोहन करने के लिए कोई समय-बद्ध कार्यक्रम तय किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत वर्षों में कुल आकलित भंडार का प्रति वर्ष औसतन कितने प्रतिशत उत्पादन किया गया?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार): (क) से (घ) सर्वेक्षण, अन्वेषण, हाइड्रोकार्बन भंडारों का स्थान निर्धारण, नए क्षेत्रों की खोज तथा खोजे गए क्षेत्रों से उत्पादन एक सतत एवं जारी रहने वाली प्रक्रिया है। कच्चे तेल भंडार प्रत्येक वर्ष सामान्यतः 31 मार्च को नवीनतम निवेशों पर आधारित खोजों तथा अभिवृद्धियों के आधार पर अद्यतन किए जाते हैं। भारत के तेल एवं तेल समकक्ष गैस के भंडार 01 अप्रैल, 1998 को 1459 मिलियन टन अनुमानित किए गए थे। वर्ष 1997-98 के दौरान तेल एवं गैस के स्थानिक अनुमानित भंडारों का 4.1 प्रतिशत उत्पादन किया गया था।

Funds released to Assam for rural development

1207. SHRIMATI BASANTI SARMA: Will the Minister of RURAL AREAS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) the details of funds released by Government of Assam for the development of rural areas during the last three years, till date; and

(b) the steps being taken by Government to release more funds to Assam for the development of rural and tribal areas?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI BABAGOUDA PATIL): (a) Jawahar Rozgar Yojana (JRY), Employment Assurance Scheme (EAS), Million Wells Schemes (MWS), Indira Awaas Yojana (IAY), Integrated Rural Development Programme (IRDP), Development of Women and Children in Rural Areas (DWCRA), Training of Rural Youth for Self Employment (TRYSM), Supply of Improved Toolkits to Rural Artisans (SITRA), National Social Assistance Programme (NSAP), Accelerated Rural Water Supply Programme (ARWSP) are the major rural development programmes being implemented in Assam. The details of funds released by